PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार
08 अप्रैल 2026

वर्ष - 03, अंक - 49 - मूल्य 02 रूपए
पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

खाटू श्याम मंदिर में चोरी, दानपेटी उठाकर छत पर ले गया चोर, तोड़कर चुरा ले गया नगदी

नीमच । शहर के व्यस्त तिलक मार्ग स्थित प्राचीन श्री खाटूश्याम मंदिर में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। एक चोर मंदिर से दानपात्र चुरा ले गया। यह पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका फुटेज मंगलवार सुबह सामने आया।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब शहर की सड़कों पर सामान्य आवाजाही थी, लेकिन मंदिर परिसर में शांति थी। इसी का फायदा उठाकर चोर मंदिर में दाखिल हुआ। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि चोर ने तेजी से दानपात्र उठाया और मौके से फरार हो गया। यह घटना घनी आबादी वाले तिलक मार्ग जैसे क्षेत्र में हुई है।

छत पर ले गया दानपेटी – चोर दानपात्र लेकर मंदिर की छत पर चला गया। वहां उसने किसी औजार की मदद से दानपात्र को तोड़ दिया और उसमें रखी नकदी निकालकर फरार हो गया। चोरी का पता तब चला जब मंदिर के पुजारी या सेवादार वहां पहुंचे। उन्हें छत पर टूटा हुआ खाली दानपात्र मिला।

पहले भी हो चुकी है चोरी – यह पहली बार नहीं है जब इस प्राचीन मंदिर में चोरी हुई है। इससे पहले भी यहां ऐसी वारदातें हो चुकी हैं। बार-बार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र के रहवासियों और श्याम भक्तों में नाराजगी है। उनका कहना है कि शहर के मध्य में होने के बावजूद दिनदहाड़े चोरी होना कानून व्यवस्था पर सवाल उठाता है। सीसीटीवी फुटेज में चोर का चेहरा साफ दिखने के बावजूद वह अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है।

रेलवे पेंशनर एसोसिएशन का सम्मान समारोह आज

नीमच । रेलवे पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश चंद्र व्यास व सचिव जगमोहन कटारिया ने बताया कि आज 8 अप्रैल बुधवार को प्रातः 10:30 बजे कमल अग्रसेन भवन नीमच में रेलवे पेंशनरों का 33 वां वार्षिक सम्मान समारोह एसोसिएशन के वरिष्ठ अध्यक्ष वीरेंद्र शंकर उपाध्याय की अध्यक्षता में होने जा रहा है। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक दिलीप सिंह परिहार , नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा, व जिला विधिक सचिव श्रीमती शोभना मीणा, वरिष्ठ मंडल रेल चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीमती रंजना सिंहल, व रेलवे के मंडल सहायक इंजीनियर हेमराज राजपूत, रतलाम पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष कावडे, ए. आई. आर. आर. एफ. के. राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के.एल. गोसर,बेस्ट जॉन के संयुक्त सचिव सत्यनारायण सेठी, जिला वरिष्ठ नागरिक महासंघ के जिला अध्यक्ष डॉ. बी एल. मेहता, रेलवे पेंशनर्स के पदाधिकारी मंदसौर से अशोक यादव, चित्तौड़गढ़ से अध्यक्ष श्रीकांत शर्मा एवं बैंक अधिकारी आदि उपस्थित रहेंगे। उपरोक्त जानकारी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मुकेश बोरीवाल ने दी।

सभी मांगलिक भवन संचालक नगर पालिका में रजिस्ट्रेशन करवाये - श्रीमती बामनिया

सीएमओ ने निरीक्षण कर दिये कचरा निष्पादन के निर्देश

नीमच। नगर पालिका परिषद नीमच की मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया ने शहर के निजी मांगलिक भवनो का निरीक्षण करते हुए कहां की सभी मांगलिक भवनो, रिसोर्ट, सामुदायिक भवनो का नगर पालिका में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है एवं उपरोक्त सभी संस्थानों में स्वच्छता एवं साफ-सफाई रखना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान प्रभारी राजस्व अधिकारी श्री टेकचंद बुनकर, लोक निर्माण विभाग के श्री हेमंत सिसोदिया आदि भी साथ थे।

श्रीमती बामनिया ने कहा कि शहर में संचालित सभी निजी मांगलिक भवनो, रिसोर्ट, सामुदायिक भवनों के संचालक एक सप्ताह के भीतर नगर पालिका में रजिस्ट्रेशन करवा ले एवं साथ ही अपने यहां कचरा निष्पादन की उचित व्यवस्था करें अन्यथा नगर पालिका नियमों के अनुसार संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जावेगी।

फिजिकल एकेडमी नीमच ने 500 से अधिक युवाओं को दिलाई सरकारी नौकरी

नीमच। क्षेत्र के युवाओं के लिए सेना और पुलिस में भर्ती होकर देश सेवा करने का सपना अब फिजिकल एकेडमी नीमच के माध्यम से साकार हो रहा है। फौजी निर्भय सिंह के कुशल नेतृत्व में संचालित इस संस्था ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जानकारी के अनुसार इस एकेडमी की कड़ी मेहनत और सटीक मार्गदर्शन की बदौलत अब तक 500 से अधिक युवाओं ने आर्मी, पुलिस, सीआरपीएफ, एयरफोर्स और आरपीएफ जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपनी जगह पक्की की है।

इस संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ युवाओं को बेहद कम उम्र से ही तैयार करना शुरू कर दिया जाता है। मात्र 16 साल की उम्र से ही युवा यहाँ प्रवेश लेकर अपने करियर की नींव रख सकते हैं। संस्था का संचालन कर रहे फौजी निर्भय सिंह स्वयं 17 वर्षों का लंबा फौजी अनुभव रखते हैं और उनके इसी अनुभव का लाभ नीमच सहित आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को मिल रहा है। उनके मार्गदर्शन में युवा न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बन रहे हैं बल्कि अनुशासित रहकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

एकेडमी में युवाओं को सर्वांगीण तैयारी के लिए सभी जरूरी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं। यहाँ अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा गहन फिजिकल ट्रेनिंग दी जाती है और साथ ही लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। युवाओं के स्वास्थ्य और चयन की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए यहाँ मेडिकल गाइडेंस की सुविधा भी प्रदान की जाती है। दूर-दराज से आने वाले छात्रों के लिए एकेडमी में व्यवस्थित हॉस्टल की सुविधा भी मौजूद है जिससे वे बिना किसी असुविधा के अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। आज यह एकेडमी क्षेत्र के उन सैकड़ों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण बन गई है जो वर्दी पहनने का जुनून रखते हैं।

नीमच भाजपा का सपना होगा साकार : जिला मुख्यालय पर आधुनिक कार्यालय की रखी गई आधारशिला

नीमच। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में 17 स्थानों पर नए जिला कार्यालयों के भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें नीमच का आयोजन विशेष रूप से उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। वर्षों से जिला कार्यालय के निर्माण का सपना देख रहे कार्यकर्ताओं के लिए यह दिन ऐतिहासिक बन गया। शहर के प्रमुख स्थल पुरानी नगर पालिका परिसर (बंगला नंबर 60) में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया गया। जैसे ही पहली ईंट रखी गई, पूरा परिसर 'भारत माता की जय' और 'जय श्रीराम' के नारों से गूंज उठा। ढोल-नगाड़े और आतिशबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 17 स्थानों पर एक साथ हो रहे भूमि पूजन संगठन के विस्तार और मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। नया जिला कार्यालय आने वाले समय में संगठन की गतिविधियों और जनसेवा का केंद्र बनेगा। स्थानीय स्तर पर संभाग प्रभारी सुरेश आर्य, जिला प्रभारी सुभाष पटेल, सांसद सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा, मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल और नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा सहित कई वरिष्ठ नेता मंचासीन रहे। कार्यक्रम के दौरान मातृशक्ति ने अतिथियों का पारंपरिक स्वागत करते हुए तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया, वहीं वरिष्ठ नेताओं का साफा बांधकर अभिनंदन किया गया। आयोजन में कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर नजर आया और बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि नया जिला कार्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि संगठन की ऊर्जा, कार्यकर्ताओं के समर्पण और जनसेवा का प्रतीक होगा। कार्यक्रम के अंत में सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया।

जैन संतो के जीवन, तप, तपस्या से समाज को सद्प्रेरणा मिलती हैं- लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला

लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला ने किया वैराग्य वाटिका एवं आयुर्वेद सूत्रकम पुस्तक का विमोचन

सिंगोली । लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मंगलवार को नीमच जिले के सिंगोली में सकल जैन समाज द्वारा आयोजित पंच कल्याणक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर योग प्रेरक श्री 108 मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज को श्रीफल भेटकर उनका आर्शिवाद लिया। इस मौके पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक बेगु श्री सुरेश धाकड़, विधायक भीलवाड़ा श्री अशोक कोठारी, श्री रतनलाल, गाडरी चित्तौड़गढ़, श्री राकेश जैन मडिया कोटा जि.प.सीईओ श्री अमन वैष्णव, एस.पी.श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्री बी.एस.कलेश एवं एसडीएम श्री पराग जैन व अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण तथा बडी संख्या में जैन समाज के पुरूष एवं महिलाएं उपस्थित थी।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज की पुस्तक ''आयुर्वेद सूत्रकम'' एवं वैराग्य वाटिका का विमोचन किया और मुनिश्री को पुस्तक की प्रति भेट की। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने अपने उदबोधन में कहा, कि आचार्य मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने योग का अहम संदेश दिया है। उन्होने जीवन शैली में बदलाव कर स्वास्थ्य एवं सुखी रहने का आध्यात्मिक मार्ग बताया है। आचार्य मुनिश्री जहां से भी गुजरते है, वहां आध्यात्मिक मार्ग का लाभ लोगो को मिल रहा है और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। उन्होने कहा, कि वैश्विक, शांति के लिए अंहिसा के मार्ग पर चलना जरूरी है। जैन संतो के जीवन, तप, तपस्या से समाजजनों को सद्प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम को सांसद श्री सुधीर गुप्ता एवं विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने भी संबोधित कया। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन किया गया और उन्हे स्मृति चिंह भेट किए गए । लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के सिंगोली में अयोध्या नगरी कार्यक्रम स्थल पर पहुचने पर जिला प्रशासन की ओर से जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसपी श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम श्री पराग जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया ने लोक सभा अध्यक्ष की अगवानी की और उन्हें पुष्पगुच्छ भेटकर उनका स्वागत किया।

राजपूत-ब्राह्मण समाज ने नीमच कलेक्ट्रेट का घेराव किया, भाजपा बूथ अध्यक्ष का घर और खाटूश्याम मंदिर तोड़ने पर ज्ञापन सौंपा

नीमच जिले के जावद तहसील के ग्राम कास्या में भाजपा बूथ अध्यक्ष सचिन पाराशर के घर और खाटूश्याम मंदिर को तोड़ने के नोटिस के खिलाफ विरोध शुरू हो गया है। मंगलवार को राजपूत और ब्राह्मण समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया और नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर इस कार्रवाई को तुरंत रोकने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि सचिन पाराशर का परिवार पिछले 70 वर्षों से सर्वे नंबर 11 की सरकारी जमीन पर रह रहा है। इसी जगह पर उनके साथ करीब 50 और परिवार भी बसे हुए हैं। समाज का आरोप है कि जावद प्रशासन ने बिना किसी ठोस सुनवाई के सिर्फ सचिन पाराशर को ही घर खाली करने का नोटिस थमाया है, जो कि सरासर भेदभाव है।

सरकारी योजना का मिला था लाभ, फिर अतिक्रमण कैसे ? – समाज के लोगों ने तर्क दिया कि इसी मकान पर पहले शासन की योजना के तहत शौचालय बनाने के लिए पैसा (अनुदान) दिया गया था। उनका कहना है कि यह कार्रवाई किसी साजिश या आपसी रंजिश के तहत की जा रही है। अगर यह जमीन अतिक्रमण में आती है, तो फिर पूरे गांव के मकानों पर कार्रवाई होनी चाहिए, सिर्फ एक गरीब परिवार को निशाना बनाना गलत है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी – ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि इस गलत कार्रवाई को तुरंत बंद किया जाए। समाज ने प्रशासन को खुली चेतावनी दी है कि अगर मकान गिराया गया, तो पीड़ित परिवार को मुआवजा और नई जगह का पट्टा दिया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो आने वाले समय में जिले भर में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट वैश्विक कूटनीति,ऊर्जा सुरक्षा और भारत की संतुलित रणनीति

बिनोद कुमार सिंह

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

वर्तमान परिपेक्ष में दुनिया में यदि कोई एक समुद्री मार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन को नियंत्रित करता है, तो वह है होर्मुज जलडमरूमध्य।फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा मार्ग केवल भौगोलिक सीमाओं का हिस्सा नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे संवेदनशील द्वार बन चुका है।जब भी इस क्षेत्र में हलचल होती है, उसकी गूंज केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एशिया, यूरोप और अफ्रीका तक महसूस की जाती है। हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि होर्मुज में उत्पन्न संकट किसी एक देश या क्षेत्र का मसला नहीं,बल्कि पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ प्रश्न है।यही कारण है कि ब्रिटेन की पहल पर 60 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ एक उच्चस्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। यह केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि वैश्विक चिंता और सामूहिक समाधान की तलाश का संकेत भी था।इस बैठक में भारत की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। भारत की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि वह अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं,बल्कि वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला जिम्मेदार देश बन चुका है।भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने किया,जिन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में निर्बाध आवागमन और नौवहन की स्वतंत्रता किसी भी वैश्विक व्यवस्था की आधारशिला है।सच्चाई यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था का प्रवाह है।प्रतिदिन लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है।ऐसे में जब इस क्षेत्र में जहाजों पर हमले होते हैं,नाविक फंसते हैं और आवागमन बाधित होता है, तो उसका असर सीधे वैश्विक बाजारों पर दिखाई देता है।आज की स्थिति में 25 से अधिक जहाजों को निशाना बनाए जाने और हजारों नाविकों के फंसे होने की घटनाएं केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वैश्विक असुरक्षा की कहानी कहती हैं।इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए यवेट कूपर ने इस संकट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया और इसे वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा आघात बताया।उनके अनुसार, इस स्थिति ने न केवल तेल और गैस की आपूर्ति को प्रभावित किया है,बल्कि जेट ईंधन,उर्वरक और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता को भी संकट में डाल दिया है।इस वैश्विक्र संकट का सबसे बड़ा प्रभाव उन देशों पर पड़ रहा है,जो इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं,लेकिन इसकी कीमत चुका रहे हैं। एशिया और अफ्रीका के विकासशील देश,जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही दबाव में है,इस अस्थिरता के कारण और अधिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।भारत के लिए यह स्थिति और भी अधिक गंभीर है।देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है और होर्मुज उसका प्रमुख मार्ग है।ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की बाधा भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित करती है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी यह स्पष्ट किया कि भारत इस संकट को केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा विषय मानता है।वर्तमान की स्थिति संवेदनशीलता इस बात से भी समझी जा सकती है कि हाल के हमलों में भारतीय नाविकों की जान गई है।यह केवल एक मानवीय त्रासदी नहीं,बल्कि भारत की समुद्री सुरक्षा और वैश्विक उपस्थिति के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है।ऐसे समय में भारत ने जिस परिपक्वता का परिचय दिया है,वह उसकी विदेश नीति की गहराई को दशार्ता है।भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस संकट का समाधान युद्ध या सैन्य कार्रवाई में नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति में निहित है।यह दृष्टिकोण भारत की ह्णरणनीतिक स्वायत्तताह्ण की नीति के अनुरूप है,जिसमें वह किसी शक्ति गुट का हिस्सा बने बिना अपने हितों को संतुलित ढंग से साधता है।कीर स्टार्मर की पहल पर आयोजित इस बैठक में भारत ने यह संदेश दिया कि तनाव को कम करना और सभी पक्षों को वार्ता की मेज पर लाना ही इस संकट से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता है।यह रुख न केवल व्यावहारिक है,बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों और सिद्धांतों के अनुरूप भी है।अंर्तराष्ट्रीय समुद्री कानून, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (UNCLOS),यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी देश को अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बाधा उत्पन्न करने का अधिकार नहीं है।ऐसे में होर्मुज का संकट इन सिद्धांतों की भी परीक्षा ले रहा है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है,तो यह वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए खतरनाक उदाहरण बन सकती है।इस संकट का प्रभाव केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला,जो पहले ही कई झटकों से कमजोर हो चुकी है, अब एक और बड़े दबाव का सामना कर रही है। परिवहन लागत में वृद्धि,वस्तुओं की कमी और महंगाई का बढ़ता दबाव-ये सभी संकेत एक व्यापक आर्थिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं।भारत के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनाने की आवश्यकता है।ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण, सामरिक भंडारण को मजबूत करना,अन्र्तराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करना - ये सभी कदम समय की मांग हैं।

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

भारत ने इस कठिन समय में जिस संयम,संतुलन और दूरदर्शिता का परिचय दिया है, वह उसे एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरा विश्व एकजुट होकर इस संकट का स्थायी समाधान खोजे, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी जीवनरेखा भविष्य में किसी भी प्रकार के तनाव का शिकार न बने और वैश्विक शांति व समृद्धि का मार्ग अविरल बना रहे।

संपादकीय

जिंदगी निगलती भीड़

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है क्योंकि निहित स्वार्थी तत्व अकसर निर्दोष लोगों को जाति व संप्रदाय के नाम पर अपने बहुलता वाले इलाके में शिकार बना लेते हैं। प्रश्न यह भी है कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारों की तरफ से जमीनी स्तर पर कारगर कदम उठाने की पहल क्यों नहीं होती? जाहिर बात है कि व्यक्ति विशेष को शक के आधार पर निशाना बनाने वाले लोगों में कानून का डर न के बराबर ही होता है। साथ ही आसपास के लोगों का महज तमाशबीन बना रहना भी भीड़ के अराजक व्यवहार को बढ़ावा देता है। वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है। निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपना सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, वह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। पिछले दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

कार्यालय ग्राम पंचायत घसुण्डी बामनी

(जनपद नीमच जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत घसुण्डी बामनी द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिङ कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत घसुण्डी बामनी में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत घसुण्डी बामनी को होगा ।

सरपंच — राजकुमारी देवालील नायक
सचिव — दिलीप बुगालिया

कार्यालय ग्राम पंचायत केलुखेड़ा

(जनपद नीमच जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत केलुखेड़ा द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिङ कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत केलुखेड़ा में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत केलुखेड़ा को होगा ।

सरपंच — गंगाबाई दिनेश पाटीदार
सचिव — प्रहलाद पाटीदार

कार्यालय ग्राम पंचायत बिसलवास सोनगरा

(जनपद नीमच जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बिसलवास सोनगरा द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिङ कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत बिसलवास सोनगरा में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत बिसलवास सोनगरा को होगा ।

सरपंच — शांताबाई बलवंत सिंह सोनगरा
सचिव — पंकज शर्मा

कार्यालय ग्राम पंचायत बावल नई

(जनपद जावद जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बावल नई द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिङ कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत बावल नई में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत बावल नई को होगा ।

सरपंच — रमेश खोईवाल
सचिव — कमलेश धाकड़

कार्यालय ग्राम पंचायत रेतपुरा

(जनपद जावद जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रेतपुरा द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिङ कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत रेतपुरा में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत रेतपुरा को होगा ।

सरपंच — शंकरलाल धाकड़
सचिव — शंकरलाल धाकड़

कार्यालय ग्राम पंचायत अथवा बुजुर्ग

(जनपद जावद जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अथवा बुजुर्ग द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिङ कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत अथवा बुजुर्ग में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत अथवा बुजुर्ग को होगा ।

सरपंच — कौशल्या बाई राधेश्याम धाकड़
सचिव — लाभचन्द्र धाकड़

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।
हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।
यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।
हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए। रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ऊँ नम : शिवाय ऊँ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम :।
ऊँ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ऊँ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ऊँ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ऊँ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ऊँ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात ।।

इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।

साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।

हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत : धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।

शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

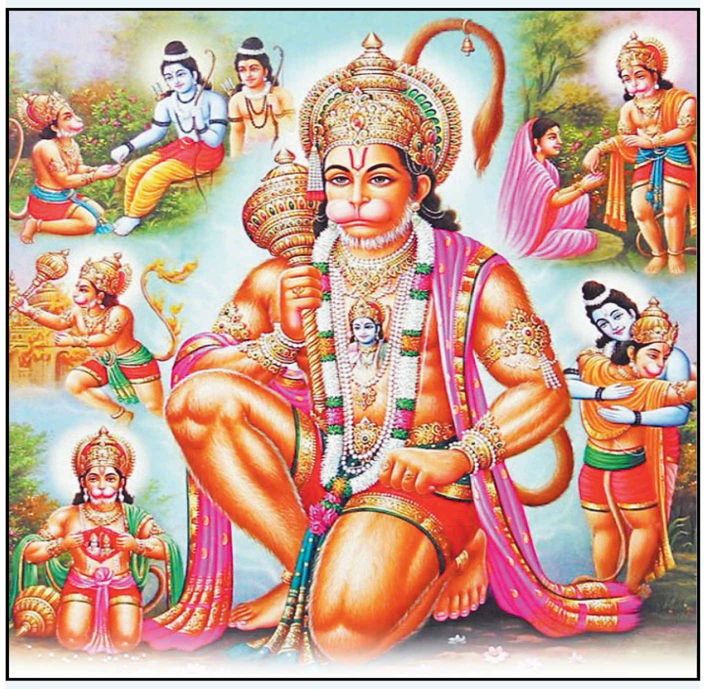

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान ।।

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् र्वायु पुत्रो महाबल :।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम : ।।
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन :।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा ।।
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन :।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत ।।
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढने़ व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरीं होगीं।

अफीम तौल नीति पर घमासान, किसानों के समर्थन में कांग्रेस, प्रतिनिधिमंडल ने डीएनसी से की मुलाकात

नीमच अफीम तौल की नई व्यवस्था को लेकर किसानों का असंतोष बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस ने इसे लेकर नारकोटिक्स विभाग के सामने कई मुद्दे उठाए हैं। जिले में अफीम तौल प्रक्रिया के दौरान लागू नई स्टैंडर्ड व वाटर मिक्स प्रणाली को लेकर किसानों में नाराजगी गहराती जा रही है।

सोमवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नारकोटिक्स उपायुक्त निखिल कुमार गांधी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और त्वरित समाधान की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बिना पूर्व सूचना लागू की गई इस प्रणाली से किसानों में भ्रम है। उन्हें गुणवत्ता निर्धारण और कटौती का आधार स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। तौल केंद्रों पर अधिकारी भी संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। हाथ से जांच प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताई गई। नेताओं ने इसे अवैज्ञानिक बताते हुए मशीन से जांच सुनिश्चित करने या इस प्रक्रिया को समाप्त करने की मांग की।

भुगतान गाढ़ता और पट्टा मार्फिन के आधार पर तय होने को दोहरा मापदंड बताया गया। बेहतर मार्फिन पर बोनस देने और नीति में समानता लाने की मांग रखी गई। मुआवजा नीति, खरीद दर बढ़ाने, प्रशिक्षण शिविर और पात्र किसानों की सूची ऑनलाइन करने की मांग भी उठाई। प्रतिनिधिमंडल में तरुण बाहेती, अनिल चौरसिया, लक्ष्मीनारायण नागदा, मोहन सिंह जाट, देवीलाल पाटीदार, राम प्रताप जाट, मोहन विश्वकर्मा, यशवंत सोलंकी, मनीष गोस्वामी सहित कई किसान मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर बदनामी का खेल : मोबाइल कारोबारी को निशाना बनाकर साजिश का आरोप

वीडियो वायरल कर छवि बिगाड़ने की धमकी, प्रतिस्पर्धी दुकानदार पर गंभीर आरोप, एसपी से कार्रवाई की मांग

नीमच । जिले में एक मोबाइल कारोबारी को निशाना बनाकर बदनाम करने और उसका व्यवसाय चौपट करने की साजिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित इंदिरा नगर निवासी आशीष कुमार पाटनी ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँच आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की हैं।

आवेदन के अनुसार पीड़ित सैमसंग मोबाइल सर्विस सेंटर संचालित करता हैं, जिसने आरोप लगाया हैं कि वसीम खान जो कि आई सॉल्यूशन नामक मोबाइल दुकान संचालित करता हैं। उसके द्वारा पहले दुकान पर मोबाइल रिपेयरिंग के बहाने विवाद खड़ा किया। और बैटरी बदलने के बाद भी कैमरा खराब होने का आरोप लगाकर दुकान पर हंगामा किया और ग्राहकों के सामने अभद्रता की।

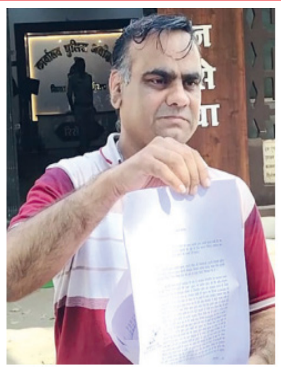

इतना ही नहीं, वसीम ने खुलेआम धमकी दी कि वह सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर वायरल करेगा और कारोबारी को बदनाम कर देगा। शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने "i_solution_mobile" नाम की इंस्टाग्राम आईडी से एक वीडियो अपलोड कर झूठे आरोप लगाते हुए पीड़ित व्यवसायी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी की हैं। पीड़ित का आरोप हैं कि आई सॉल्यूशन मोबाइल संचालक द्वारा पुराने आईफोन, ग्लोबल मोबाइल में जीएसटी चोरी, ग्राहकों को पुराने एक्टिवेशन के मोबाइल नई तारीख बताकर दिए जा रहे हैं। ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की जा रही हैं। सैमसंग एजेंसी के ऑथराइज्ड पीड़ित आशीष पाटनी ने बताया कि वसीम खान ने 2 दिन पहले सोशल मीडिया पर कुछ मोबाइल बेचने की स्टोरी डाली थी जिसमें सैमसंग अल्ट्रा बॉक्स ओपन की प्राइस 87500 अंकित की थी लेकिन जब सैमसंग मोबाइल के ऑथराइज्ड ने उसकी डिटेल निकाली तो यह मोबाइल करीब 1 साल से अधिक पुराना निकला और इसमें नए पार्ट डले हुए थे। इसके साथ ही एक डेमो यूनिट बताकर मोबाइल सेल किया जा रहा, जिसकी जानकारी निकालने पर वह 3 साल पुराना निकला। एक और मोबाइल जिसका डेमो यूनिट केवल 6 महीने तक का हैं लेकिन 3 साल पुराना मोबाइल डेमो यूनिट बताकर बेच रहा था। पीड़ित का कहना है कि सोशल मीडिया पर झूठा वीडियो बनाकर साजिश रच उसकी छवि खराब करने और कारोबार खत्म करने के उद्देश्य से रची गई है। विपक्षी लगातार धमकियां दे रहा है कि वह झूठे मामलों में फंसाकर जेल भिजवा देगा। फिलहाल पीड़ित ने एसपी के नाम आवेदन देकर विपक्षी के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, विजेताओं को मिला सम्मान

नीमच। स्थानीय श्री एसआर ग्रुप ऑफ कॉलेज में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक महोत्सव 'गूंज' का आज रंगारंग कार्यक्रमों के साथ भव्य समापन हुआ। उत्साह और उमंग से भरे इस चार दिवसीय आयोजन में विद्यार्थियों ने कला, खेल और संस्कृति के अनूठे संगम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

रचनात्मकता और बौद्धिक कौशल का प्रदर्शन - उत्सव के पहले दिन की शुरुआत रचनात्मक कलाओं के साथ हुई। छात्र-छात्राओं ने रंगोली, मेहंदी और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में अपनी कल्पना के सुंदर रंग उकेरे। दूसरे दिन बौद्धिक और शारीरिक दक्षता का बेहतरीन तालमेल देखने को मिला, जहाँ एक ओर चेस, कैरम और निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताओं में दिमागी कसरत हुई, वहीं दूसरी ओर कबड्डी के मैदान में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त भिड़ंत और रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

टीम वर्क और पारंपरिक खेलों का उत्साह - आयोजन के तीसरे दिन सामूहिक खेलों का जोश चरम पर रहा। रस्साकसी (Tug of War), चेयर रेस और खो-खो जैसी पारंपरिक स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने टीम वर्क और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। पूरा परिसर खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों की तालियों से गूंज उठा।

सांस्कृतिक संध्या और रैंप वॉक ने जीता दिल - महोत्सव के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। विद्यार्थियों ने एकल व समूह नृत्य, मर्मस्पर्शी नाटकों और सुरीले गायन से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान आयोजित 'रैंप वॉक' आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपना जलवा बिखेरा।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर - कार्यक्रम के समापन अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर निरंजन राजू जी तिवारी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विजेताओं को बधाई देते हुए उन्होंने अपने संबोधन में कहा ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेल हमें अनुशासन सिखाते हैं और कला हमें संवेदनशीलता व टीम भावना से जोड़ती है।

तिवारी जी ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए कॉलेज स्टाफ और प्रबंधन की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विक्रम सीमेंट वर्क्स में प्रथम धात्विक खनन सुरक्षा सप्ताह का आगाज़, 'सुरक्षा प्रथम' के संकल्प के साथ शुरू हुआ आयोजन

नीमच/खोर। महानिदेशालय खान सुरक्षा (DGMS) ग्वालियर क्षेत्र के दिशानिर्देशानुसार, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की इकाई विक्रम सीमेंट वर्क्स की खदानों में प्रथम मेटालिफेरस माइंस सेफ़्टी वीक (धात्विक खनन सुरक्षा सप्ताह) 2025-26 का हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ किया गया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य खनन उद्योग में 'सुरक्षा प्रथम, उत्पादन बाद में' की कार्य-संस्कृति को आत्मसात करना और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ खदान कर्मियों द्वारा सुरक्षा शपथ ग्रहण के साथ हुआ, जिसमें सभी ने कार्यस्थल पर सुरक्षित रहने और नियमों के पालन का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री आर. सी. व्यास ने अपने संबोधन में सुरक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि खनन कार्यों में सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक कर्मी को कार्यस्थल पर निरंतर सतर्कता बरतनी चाहिए और जोखिम-रहित कार्य-संस्कृति को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना आवश्यक है।

विक्रम सीमेंट खदान के अधिकारी श्री ए. पी. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि संस्थान के लिए सुरक्षा हमेशा से प्राथमिकता रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुरक्षित खनन प्रथाएँ न केवल उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ाती हैं, बल्कि खनन उद्योग के टिकाऊ और स्थायी विकास का मार्ग भी प्रशस्त करती हैं।

सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत खदानों में विभिन्न सुरक्षा-संबंधी गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसके तहत विभिन्न खदानों का सुरक्षा निरीक्षण एवं सूक्ष्म मूल्यांकन किया जा रहा है। साथ ही, श्रमिकों के लिए प्राथमिक उपचार (फर्स्ट-एड) और आपदा प्रबंधन के विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान भारी मशीनरी एवं उपकरणों की सुरक्षा जाँच के साथ-साथ कार्यस्थलों पर धूल, ध्वनि और कंपन नियंत्रण उपायों की समीक्षा भी की जा रही है। सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कर्मियों के बीच पोस्टर और नारा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया है।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों, खदान प्रबंधकों, पर्यवेक्षकों, अभियंताओं और बड़ी संख्या में ठेका श्रमिकों सहित खान-कर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह आयोजन खनन क्षेत्र में एक सुरक्षित और संरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रहा है।

जन्म प्रमाण पत्र के लिए 'आधार कार्ड' मान्य नहीं, बदल गए नियम

इन्दौर । पैन कार्ड से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया गया है, जहां पहले फार्म 49 जरूरी होता था, अब उसकी जगह फार्म 93 लागू किया गया है। पैन में नाम अब आधार के अनुसार ही रहेगा और उसमें बदलाव का विकल्प नहीं होगा, लेकिन माता या पिता का नाम चुनने का विकल्प रहेगा। वहीं दूसरी ओर जन्मतिथि के प्रमाण के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं रहेगा इसके लिए अलग से डॉक्यूमेंट देना होगा।

नए नियमों के तहत जन्म प्रमाण पत्र, 10वीं की मार्कशीट, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी या कुछ मामलों में एफिडेविट देना होगा। यानी अब पैन-आधार पहले के मुकाबले ज्यादा डॉक्यूमेंट आधारित हो जाएगा। अब फार्म 15 जी एवं 15 एच की जगह नया फार्म 121 लागू कर दिया गया है, जिसमें डिजिटल सबमिशन को प्राथमिकता दी गई है और इसे एआयएस से भी लिंक किया गया है।

आवश्यकता है
वर्कशॉप पर काम करने के लिए वेल्डर और फिटर की आवश्यकता है

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।